



KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

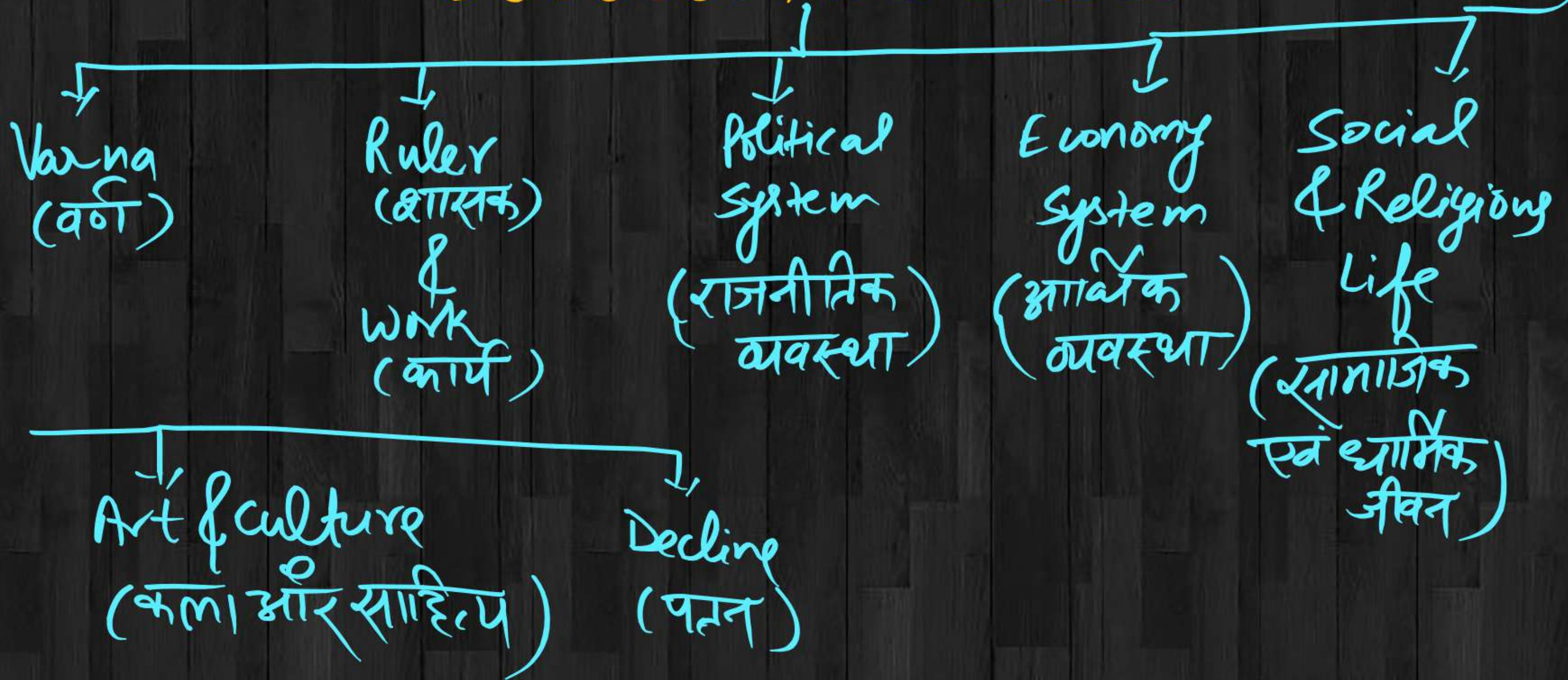
UPPSC – 2023

LIVE CLASSES



BY-AMARENDRA SRIVASTAV SIR

Gupta Empire (गुप्त साम्राज्य)



Varna (वर्ण)

Brahmin
(ब्राह्मण)

According to
Rai Chaudhary
(राय चौधरी)
के अनुसार

Kshatriya
(क्षत्रिय)

According to Gauri
Shankar Ojha &
Ramesh Chandra
Mazumdar.

(गौरी शंकर ओझा और रमेश
चंद्र मजुमदार के अनुसार)

Vaishya
(वैश्य)

According to
Ramik Thapar
& Ramcharan
Sharma.

(रोमिला थापर और
रामचरण शर्मा के
अनुसार)

Shudra or Jat
(शूद्र) (जाट)

According to
Kashi Prasad
Jaiswal.

(काशी प्रसाद
जयसवाल
के अनुसार)

Sri Gupta (श्रीगुप्त) → 240-280 A.D.

↳ founder of Gupta Empire.

(गुप्त साम्राज्य का संस्थापक)

↳ Title (उपाधि) :- Maharaja (महाराजा)

↳ Other Name :- Adipurush.

(अन्य नाम) (आदिपुरुष)

↳ According to Poona
Copper Inscription.
(पूनाताम्रपत्र के अनुसार)

Ghatotkacha Gupta (घटोत्कच गुप्त) → 280-319 A.D.

↳ Title: - Maharaja
(महाराजा)

↳ सुपियालेख-स्कंदगुप्त का
↳ गुप्तों की वंशावली घटोत्कच
से शुरू होती है।

Chandra Gupta-I (-चंद्रगुप्त-I) → 319-335 A.D.

↳ Title: - Maharayadhiraj
(महाराजाधिराज)

↳ Capital - Pataliputra.

↳ Real founder of Gupta Empire.

* wife:- Kumara Devi (कुमारा देवी)

↳ Lichchhavi Princess.

(लिच्छवी की राजकुमारी)

↳ देश:- वैशाली → मगध का क्षेत्र
(भागी)

* He started "Supta Era" in 319 A.D.

(इसने 319 ई० में "गुप्त संवत्" चलाया)

* He started Dinar.
(इसने दीनार चलाया)

↳ Gold coins (सोने का सिक्का)

↳ King & Queen type of gold coins.

(राजा-रानी प्रकार के सोने का सिक्का)

* गुप्त संवत् और शक संवत् के बीच अंतर:- 319 - 78 A.D.

→ 241 वर्ष

इतिहासकार

According to Fleet
(फ्लीट के अनुसार)

King & Queen
Type of
Gold coins.



Samudra Gupta (समुद्र गुप्त) → 335-375 A.D.

- Title:-
- 1. Kaviraj (कविराज)
 - 2. Bharanibandha (धरणीबन्ध)
 - 3. Sarvarajachetta (सर्वराजोच्चता)
 - 4. Ashvamedhaprakrama (अश्वमेध पराक्रम)
 - 5. Parambhagawat (परमभागवत)
 - 6. Apratiratha (अप्रतिरथ)
 - 7. Maharajadhiraj (महाराजाधिराज)

* विन्सेंट आर्थर स्मिथ ने इसे "भारत का नेपोलियन" कहा।

* Gold coins of Samudra Gupta : Dinar (दीनार)
(समुद्र गुप्त के सोने का सिक्का)

- धनुषधारी प्रकार (Dhanurdhari Type / Archer type)
- अश्वमेध प्रकार (Ashvamedha ")
- वीणावादन " (Veena Vadan ")
- परशु / कुल्हड़ी " (Halberd / Axe ")
- व्याघ्रह " (Tiger Killing)
- जसण " (Garung type)



Court scholar of Samudra (समुद्र गुप्त का दरबारी
विद्वान्)

↳ Harishena (हरिषेण) → महाभारत विमर्शक

↳ Prayaga Prashasti
(प्रयाग प्रशस्ति)

- ←
- Ashoka
 - Akbar
 - Jahangir
 - Birbal.

↳ Prayagraj

↳ Language: - Sanskrit.

↳ style: - पंप्प काव्य शैली

Battle Policy of Samudra Gupta. (समुद्रगुप्त की युद्ध नीति)

↳ Detail: Prayaga Prashasti
(प्रयाग प्रशस्ति)

↳ Direct Rule (प्रत्यक्ष नीति)

↳ Indirect Rule (अप्रत्यक्ष नीति)

- युद्ध नीति – उत्तर भारत – सीधे जीतकर साम्राज्य में शामिल
- War Policy – North India – Joined the Empire by winning directly

Eastern Himalaya & 9 state
(पूर्वी हिमालय और 9 राज्य)

Policy:- सर्व करदानाज्ञाकरण प्रणामागमन
(Sarvakardanaagyakaranapranamagan)

पूर्वी हिमालय और 9 राज्य/Eastern Himalayas and 9 States

- Rudradeva (Maharashtra), Matila, Nagadatta, Chandravarman (West Bengal), Ganapatinaga (Mathura-Vidisha region), Nagasena (Madhya Pradesh), Achyuta (Ahichchhatra), Nandin and Balavarman.
- रुद्रदेव (महाराष्ट्र), मटिला, नागदत्त, चंद्रवर्मन (पश्चिम बंगाल), गणपतिनाग (मथुरा-विदिशा क्षेत्र), नागसेना (मध्य प्रदेश), अच्युत (अहिच्छत्र), नंदिन और बलवर्मन।

Policy for South India - 12 State (12 राज्य)

↳ Indirect Rule.

↳ Policy:- Grahanamokshanugraha.
(ग्रहणमोक्षानुग्रह)

दक्षिण भारत - 12 राज्य/South India - 12 States

- ✓ 1. कोसल के महेंद्र ✓
2. महाकांतारा का व्याघ्र-राजा
3. कुराला के मंतराज
4. पिष्टपुरा के महेंद्रगिरि
5. कोट्टुरा के स्वामीदत्त
6. एरंडापल्ला का दमन
7. कांची के विष्णुगोपा
- ✓ 8. अवमुक्त के नीलराज ✓
9. वेंगी के हस्तिवर्मन
- ✓ 10. पालक्का के उग्रसेन
11. देवराष्ट्र के कुबेर
- ✓ 12. कुस्थलपुर के धनंजय

1. Mahendra of Kosala
2. Vyaghra-raja of Mahakantara
3. Mantaraja of Kurala
4. Mahendragiri of Pishtapura
5. Svamidatta of Kottura
6. Damana of Erandapalla
7. Vishnugopa of Kanchi
8. Nilaraja of Avamukta
9. Hastivarman of Vengi
10. Ugrasena of Palakka
11. Kubera of Devarashtra
12. Dhananjaya of Kusthalapura

